कक्षा - आठवीं
विषय - हिन्दी रीडर

पाठ 14 अकबरी लोटा

कहानी की बात

1. लाला झाऊलाल को बेढंगा लोटा बिल्कुल पसंद न था, फिर भी उन्होंने लोटा ले लिया। क्योंकि वे अपनी पत्नी का अदब मानते थे। इसलिए पत्नी के तेज-तर्रार स्वभाव को जानते थे। जिसके सामने वे कमजोर हो जाते थे। उन्होंने सोचा कि अभी तो लोटे में पानी मिला है यदि कुछ कहें तो कहीं बाल्टी में भोजन करना न पड़े अर्थात इससे भी बुरी स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

2. दो और दो जोड़कर स्थिति को समझना अर्थात परिस्थिति को भाँप जाना। लोटा गिरने पर गली में मचे शोर को सुनकर भीड़ आँगन में एकत्र हो गई। एक अंग्रेज को भीगे हुए तथा पैर सहलाते हुए देखकर लाला समझ गए कि स्थिति गंभीर है। क्योंकि लोटे से अंग्रेज को चोट लगी अब यह झगड़ा करेगा इसलिए इस समय उसका चुप रहना ही ठीक है।

3. अंग्रेज के सामने बिलवासी जी ने झाऊलाल को पहचानने से इंकार कर दिया ताकि अंग्रेज का क्रोध शान्त हो जाए और अंग्रेज को जरा भी संदेह न हो कि वह झाऊलाल का आदमी है। वह अपनी योजना भी पूरी करना चाहते थे जिससे पैसों की व्यवस्था हो सके।

4. बिलवासी जी ने रुपयों का प्रबंध अपने ही घर से, अपनी पत्नी के संदूक से चोरी करके किया था।

5. भारतीय सभ्यता, संस्कृति, कला और ऐतिहासिक वस्तुओं ने हमेशा ही विदेशियों को आकर्षित किया है अंग्रेज को भी पुरानी ऐतिहासिक चीजें इकट्ठी करने का शौक था। ऐसा इसलिए कह सकते हैं क्योंकि दुकान से पुरानी पीतल की मूर्तियाँ खरीद रहा था। अंग्रेज ने बिलवासी के कहने पर लोटा अकबरी लोटा समझकर 500 में खरीद लिया।

अनुमान और कल्पना

6. बिलवासी जी ने यह बात लाला झाऊमल से कही क्योंकि बिलवासी जी ने रुपयों का प्रबंध अपने ही घर से अपनी पत्नी के संदूक से चोरी करके किया था। इस रहस्य को वह झाऊलाल के सामने खोलना नहीं चाहते थे, दूसरे उन्हें घर पहुँचकर उन रुपयों को भी यथास्थान रखने की भी जल्दी थी।

7. झाऊलाल की सहायता के लिए बिलवासी जी ने अपनी पत्नी के सन्दूक से पैसे चोरी किए थे। अब वे अपनी पत्नी के सोने की प्रतीक्षा में थे ताकि वे पैसे सन्दूक में रख दें। इस प्रकार समस्या झाऊलाल की थी लेकिन नींद बिलवासी जी की उड़ी हुई थी।

Scanned with CamScanner

8. झाऊलाल और उनकी पत्नी के बीच की इस बातचीत से निम्नलिखित बातें पता चलती हैं —

1. झाऊलाल की पत्नी को अपने पति के वादे पर भरोसा नहीं था।
2. उनकी पत्नी ने पहले भी कुछ माँगा था लेकिन हाँ करने के बाद भी उन्होंने लाकर नहीं दिया था।
3. झाऊलाल कंजूस प्रवृत्ति के थे।

क्या होता यदि —

9. वह अपनी तर्कशक्ति से लालाजी को निरुत्तर कर दिया करती थी।
10. यदि अंग्रेज लौटा नहीं खरीदता तो बिलवासी जी को अपनी पत्नी से चुराए हुए रुपये लाला झाऊलाल को देने पड़ते अन्यथा झाऊलाल अपनी पत्नी को पैसे नहीं दे पाते और उन्हें अपनी पत्नी के सामने लज्जित होना पड़ता।
11. यदि अंग्रेज पुलिस को बुला लेता तो सम्भवतः लाला झाऊलाल को गिरफ्तार कर लिया जाता और उन्हें जुर्माना देना पड़ता।
12. यदि गले से चाबी निकालते समय बिलवासी जी की पत्नी जग जाती तो चोरी जैसा घिनौना काम करने पर उन्हें अपनी पत्नी के सामने शर्मिंदा होना पड़ता और हो सकता था कि दोनों का झगड़ा हो जाता।

पता कीजिए —

(4) बिलवासी जी ने जिस तरीके से रुपयों का प्रबंध किया, वह गलत था। एक तो अपनी पत्नी के ~~(सामने)~~ रुपये निकालना सही नहीं है। दूसरे अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए उल्लू नहीं बनाना चाहिए। जब अंग्रेज को ऐतिहासिक वस्तु के नाम पर अपने साथ हुई ठगी का पता चलेगा तो उसके मन का विश्वास टूट जाएगा।

Scanned with CamScanner